विधान परिषद के द्वितीय सत्र–2023 के प्रथम मंगलवार हेतु निर्धारित श्री भीमराव अम्बेडकर, मा0 सदस्य विधान परिषद द्वारा पूँछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या–19 का उत्तर–

प्रश्न	उत्तर
19 (क) क्या मद्यनिषेध मंत्री बतायेंगे कि उ0प्र0 में मादक पदार्थो का सेवन करने वाले लोगों को उससे छुटकारा दिलाने के लिए नशा निवारण कार्यक्रम चलाया जाता है ?	जी हॉ, प्रदेश में मादक पदार्थो का सेवन करने वाले व्यसनियों को नशामुक्त करने के लिए सामाजिक स्वैच्छिक संस्थाओं के द्वारा संचालित नशा मुक्ति केन्द्रों में उन्हें निःशुल्क उपचारित करने की व्यवस्था है। साथ ही मद्यनिषेध विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा विभिन्न शिक्षात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से जनसामान्य को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाता है।
(ख) यदि हॉ, तो नशा निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत कौन–कौन सी संस्थायें कार्यरत है और वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए उनको कितना धन आवंटित किया गया ?	वर्तमान में सामाजिक स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के 18 जनपदों में 20 नशा मुक्ति केन्द्र संचालित हैं, जिनको अनुदान के रूप में धनराशि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा स्वीकृत की जाती है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में मद्यपान एवं नशीले पदार्थों के सेवन के दुष्परिणाम के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु धनराशि रू0 45,50,000 (रू0 पैंतालिस लाख पचास हजार मात्र) स्वीकृत की गयी है।
(ग) क्या नशा निवारण कार्यक्रम चलाने वाली संस्थाये अपने उद्देश्य में सफल हो पा रही है ?	जी हॉ।
(घ) यदि नहीं, तो नशा मुक्ति हेतु विशेष योजना बनाये जाने पर विचार करेंगे ?	उपरोक्तानुसार।
(ड़) यदि हॉ, तो कब तक ?	उपरोक्त 20 नशा मुक्ति केन्द्रों के द्वारा नशे से ग्रसित व्यसनियों का उपचार किया जा रहा है। माह अप्रैल, 2023 से जून, 2023 तक नशे से ग्रसित 1261 व्यसनियों को उपचारित किया गया है।
(च) यदि नहीं, तो क्यों ?	उपरोक्तानुसार।

नितिन अग्रवाल
राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)।